224hi08

8

बैंक समाधान विवरण

अगर आप एक व्यवसायी हैं तो आपका बैंक में खाता भी अवश्य होगा। आप बैंक से जो लेनदेन करते हैं, उन्हें रोकड़ बही के बैंक खाने में लिख देते हैं। जबकि बैंक भी व्यवसायी के प्रत्येक लेनदेन का लेखा उसके खातें में करता है और अपने यहाँ किए गए लेखों की नकल एक पुस्तक में लिखकर ग्राहक को देता है, जो पास-बुक कहलाती है। यदि व्यवसायी ने समस्त लेनदेनों को रोकड़ बही में सही-सही लिखा है और वही सब कुछ बैंक द्वारा पास-बुक में लिखे जाते है, तो दोनों खाते एक निश्चित तिथि में समान शेष दर्शाएगें। परन्तु प्राय: ऐसा नहीं होता और रोकड़ बही व पास-बुक के शेषों में अन्तर पाया जाता है। दोनों शेषों में अन्तर प्राय: उन लेनदेनों के कारण होता है, जो किसी तिथि विशेष तक रोकड़ बही में लिख दिए जाते हैं, लेकिन पास-बुक में नहीं लिखे जाते अथवा पास-बुक में लिख दिए जाते हैं लेकिन रोकड़ बही में नहीं लिखे गए। अत: व्यवसायी के लिए यह आवश्यक है कि वह समय-समय पर अपनी रोकड़ बही का पास-बुक से मिलान करते रहे, जिससे यदि रोकड़ बही अथवा पास बुक के लिखने में कोई अशुद्धि हो गई हो तो उसे ठीक किया जा सके। रोकड़ बही का पास-बुक से मिलान करने के लिए जो विवरण तैयार किया जाता है। उसे ''बैंक समाधान विवरण'' कहते हैं।

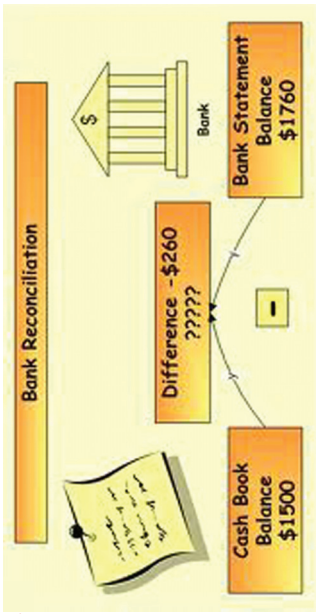

बैंक शेष एवं रोकड़ बही शेष में अंतर

इस अध्याय में आप बैंक समाधान विवरण का अर्थ, इसको तैयार करने के उद्देश्य, पास-बुक व रोकड़ बही के शेषों के बीच अन्तर के मुख्य कारणों को जानेंगे तथा बैंक समाधान विवरण को तैयार करना सीखेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात आप :

- बैंक समाधान विवरण का अर्थ व आवश्यकता को समझ सकेंगे;
- उन कारणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे, जिनके कारण रोकड़ बही व पास-बुक के शेष में अन्तर आता है और
- बैंक समाधान विवरण को तैयार कर सकेंगे।

8.1 बैंक समाधान विवरण - अर्थ व आवश्यकता

व्यवसायी, रोकड़ बही और पास-बुक के अन्तर का मिलान करने के लिए एक निश्चित तिथि को एक विवरण पत्र बनाता है, जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं।

बैंक समाधान विवरण को तैयार करने की आवश्यकता :

बैंक समाधान विवरण वह विवरण है, जो मुख्यत: पास-बुक के शेष को रोकड़ बही के बैंक शेष से मिलाने के लिए तैयार किया जाता है। इस विवरण को तैयार करने का उद्देश्य उन दोनों शेषों के बीच हुए अन्तर के कारणों को जानना तथा उन अन्तरों का समाधान करना है।

8.2 रोकड़ बही और पास-बुक में अन्तर के कारण

दोनों पुस्तकों में अन्तर के अनेक कारण होते हैं, जिनका विवरण निम्नलिखित है :

i) **निर्गमित चैक जो बैंक में प्रस्तुत नहीं किए गए :** व्यवसायी अपने लेनदारों का भुगतान करने के लिए चैक निर्गमित करता है। जिससे रोकड़ बही का शेष कम हो जाता है, लेकिन जब वे चैक बैंक में प्रस्तुत नहीं किए जाते है, तब पास-बुक का शेष कम नहीं किया जाता है और दोनों पुस्तकों में अन्तर रहता हैं।

ii) **वे चैक जो बैंक में वसूली हेतु जमा किए लेकिन वसूल नहीं हुए या जमा में नहीं लिखे गए :** वे चैक जो ग्राहकों से प्राप्त होते हैं, उनकी धन राशि वसूल करने के लिए वे बैंक में जमा कर दिए जाते हैं और रोकड़ बही का शेष बढ़ा देते हैं। लेकिन इन चैकों की धन राशि जबतक बैंक वसूल नहीं कर पाता, तबतक पास-बुक का शेष नहीं बढ़ाया जाता है और दोनों पुस्तकों में अन्तर रहता है।

iii) **ग्राहक/देनदार द्वारा सीधे बैंक में जमा करायी रकम :** यदि व्यवसायी का कोई ग्राहक बिना सूचना दिए उसके बैंक खाते में सीधे रूपये जमा करा देता है तो रोकड़ बही में इसका लेखा जब तक नहीं होता जब तक उसे इस बारे में सूचना नहीं मिल जाती, अत: तब तक दोनों पुस्तकों में अन्तर रहता है।

iv) **बैंक खर्च तथा कमीशन :** बैंक ग्राहक को अनेक सेवाएं प्रदान करता है, जिनके लिए वह खर्च तथा कमीशन लेता है और इनका लेखा पास-बुक में कर देता है। लेकिन व्यवसायी सूचना के अभाव में जब तक इनका लेखा रोकड़ बही में नहीं कर पाता, तब तक दोनों पुस्तकों में अन्तर रहता है।

v) **बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से ब्याज और लाभांश की प्राप्ति :** जब बैंक, व्यवसायी के आदेशानुसार उसकी ओर से रूपये वसूल करता है, जैसे- ब्याज, लाभांश, किराया, विनिमय पत्र की धनराशि तो वह पास-बुक में तो शेष बढ़ा देता है, लेकिन सूचना के अभाव में रोकड़ बही में इसका लेखा नहीं हो पाता।

vi) **बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से किए गए भुगतान :** जब बैंक ग्राहक के निर्देशानुसार उसके विनिमय बिल, किराया, दूध व अखबार के बिल तथा बीमा किस्त का भुगतान कर देता है, तो वह पास-बुक से रकम घटा देता है, लेकिन जब तक व्यवसायी को इनकी सूचना प्राप्त नहीं होती तब तक इनका लेखा रोकड़ बही में नहीं किया जाता।

vii) **वसूली वाले चैकों का अनादृत होना :** जो चैक बैंक में वसूली के लिए भेजे गए हैं और वे अनादृत (Dishonour) हो जाते हैं तो बैंक, पास-बुक का शेष नहीं बढ़ाता जबकि रोकड़ बही का शेष बढ़ा हुआ है और दोनों पुस्तकों में अन्तर रहता है।

viii) **फर्म द्वारा शेष निकालने में गलती :** कभी-कभी फर्म द्वारा भी गलती हो जाती है। जैसे- कोई रकम लिखनी भूल जाना, चैकों का निर्गमन या जमा में गलत लिखा जाना या रोकड़ बही या पास बुक का शेष निकालने में गलती होना इत्यादि। जिससे दोनों पुस्तकों को शेष समान नहीं आता।

ix) **बैंक द्वारा गलती होना :** बैंक से भी गलती हो जाती है। वह ग्राहक के खाते में लेन-देन को लिखने में गलती कर सकता है। इससे भी दोनों पुस्तकों का शेष समान नहीं आता।

पाठगत प्रश्न 8.1

I. बहुविकल्पीय प्रश्न :

i. बैंक समाधान विवरण किस-किस के बीच के अन्तर के कारणों को जानने के लिए बनाया जाता है?
क) रोकड़ बही के रोकड़ खाने के शेष और पास-बुक के शेष को
ख) पासबुक और रोकड़ बही के बैंक खाने के शेष को
ग) दोनों में से कोई नहीं।

ii. बैंक समाधान विवरण है :
क) एक बही खाता
ख) रोकड़ बही का एक हिस्सा
ग) पास बुक और रोकड़ बही के बैंक खाने के बीच अन्तर के कारणों को पता लगाने के लिए अलग से एक विवरण बनाना।

iii. बैंक समाधान विवरण किसकी सहायता से तैयार किया जाता है?
क) बैंक पास-बुक तथा रोकड़-बही के बैंक खाने से
ख) बैंक पास-बुक तथा रोकड़-बही के रोकड़ खाने से
ग) दोनों में से कोई नहीं।

II. सही शब्द/शब्दों से रिक्त स्थान भरिए :

i. बैंक के पास ग्राहक के खाते की नकल _____ कहलाती है।

ii. जमा किए गए चेक रोकड़-बही के बैंक खाने में _____ पक्ष में जमा होते हैं।

iii. बैंक समाधान विवरण पास-बुक के शेष को और रोकड़ बही के बैंक खाने के शेष को _____ के लिए तैयार किया जताा है।

III. नीचे दिए गए विवरणों में जो सत्य है। उनके सामने सत्य लिखो तथा असत्य के सामने असत्य लिखो।

i. बैंक समाधान विवरण बैंक द्वारा बनाया जाता है।

ii. बैंक, ग्राहक की ओर से उसके निर्देशानुसार कुछ भुगतान कर सकता है।
iii. बैंक व्यय कभी भी रोकड़-बही में नहीं चढ़ाए जाते।
iv. बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से सीधे प्राप्ति की रकम को पास-बुक में बढ़ाया हुआ दर्शाता है।

8.3 बैंक समाधान विवरण तैयार करना

बैंक समाधान विवरण तैयार करने से पहले हमें यह पता लगा लेना चाहिए कि दिया गया शेष धनात्मक है या ऋणात्मक।

I. शेष यदि धनात्मक है : उसकी दो सम्भावनाएं है :

i. पास-बुक का जमा (Cr.) शेष दिया है तो रोकड़-बही के शेष को ज्ञात करना है।
ii. रोकड़-बही का नाम (Dr.) शेष दिया है, पास-बुक के शेष को ज्ञात करना है।

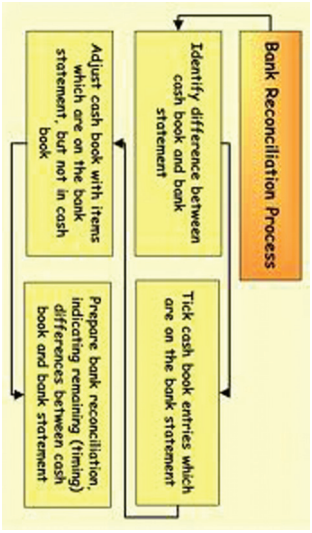

बैंक समाधान प्रक्रिया

यह तुम पहले ही पढ़ चुके हो कि बैंक समाधान विवरण पास-बुक और रोकड़-बही के शेषों के अन्तर का मिलान करने हेतु बनाया जाता है। यदि रोकड़-बही का नाम शेष या रोकड़ बही के अनुसार शेष दिया है। तो हम पास-बुक के शेष के साथ मिलान करेंगे।

रोकड़-बही के शेष को पास-बुक के शेष से मिलान करने के लिए अन्तर के सभी कारणों को ले लेना चाहिए और उन समस्त राशियों को रोकड़-बही के शेष में जोड़ा जाना चाहिए, जो कि पास-बुक में पहले से जमा की जा चुकी हैं, लेकिन रोकड़-बही में नहीं लिखी गयी और उन सभी मदों को घटा देना चाहिए जो पास-बुक के शेष को कम दर्शा रही हैं। उदाहरण के लिए :

i. एक चैक ₹ 5000 का निर्गमित किया गया लेकिन बैंक में भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया। इससे रोकड़-बही का शेष, पास-बुक के शेष से कम हो जाएगा। इसलिए ₹ 5,000 रोकड़-बही के शेष में जोड़े जाएंगे। इससे दोनों पुस्तकों का शेष समान हो जाएगा।
ii. दूसरी ओर यदि एक ग्राहक ने व्यवसायी के आदेशानुसार सीधे बैंक में ₹ 3,000 जमा कर दिए है तो परिणाम यह होगा कि पास-बुक का शेष, रोकड़-बही के शेष से ज्यादा हो जाएगा। यदि ₹ 3000 रोकड़-बही के शेष में जोड़ दें तो दोनों पुस्तकों का शेष समान हो जाएगा।
iii. बैंक व्यय आदि से पास-बुक का शेष कम हो जाएगा। इस स्थिति में रोकड़-बही व पास-बुक का शेष समान करने के लिए रोकड़-बही के शेष को घटया जाएगा।

संक्षेप में, यह सुझाव है कि यदि रोकड़ बही का शेष दिया है और हमें पास-बुक के साथ मिलान करना है, तो समस्त लेन-देन में अन्तर के कारणों का पता लगाना है। जो मदें पास-बुक के शेष में जमा थीं वे जोड़ी जाएंगी, और जो मदें पास-बुक से घटाई गईं थीं वे रोकड़-बही के शेष से घटाई जाएंगी। ऊपर दिए गए उदाहरण से यह स्पष्ट है।

नोट : यदि रोकड़-बही के अनुसार बैंक अधिविकर्ष (ओवर ड्राफ्ट) दिया है। केवल ओवर ड्राफ्ट वाली राशि ऋणात्मक (-) खाने में लिखी जाएगी। बांकी समस्त पहले जैसा ही होगा।

पास-बुक का शेष या पास-बुक का जमा (Cr.) शेष की स्थिति में, रोकड़-बही के साथ पास-बुक के शेष का मिलान करने के लिए उलटे नियम लिए जाएंगे। अधिविकर्ष की स्थिति में रोकड़-बही के साथ पास-बुक के शेष को मिलान करने के लिए वैसे ही नियम लिए जाएंगे जैसे पहले लिए गए थे।

बैंक समाधान विवरण का नमूना

बैंक समाधान विवरण एक विवरण है खाता नहीं। इसे विभिन्न तरीकों से तैयार किया जाता है। इसे तैयार करने के लिए भिन्न-भिन्न नमूने इस्तेमाल किए जाते हैं। एक साधारण नमूना नीचे दिया है।

बैंक समाधान विवरण

(.....) को

विवरण	धनात्मक मदें (+) (₹)	ऋणात्मक मदें (-) (₹)
रोकड़ बही/ पास-बुक का शेष (जैसे भी दिया हो)		
जोड़ें ..... (प्रभाव या अन्तर के कारण, ... जो धनात्मक हो सकते हैं।)		
घटाएं		
कुल	.....	.....
पास-बुक रोकड़ बही का शेष (जैसा भी है)		

बैंक समाधान विवरण बनाते समय यदि रोकड़-बही जमा बैंक शेष या पास-बुक नाम (Dr.) शेष दिखाए तो उस स्थिति में दिया गया शेष ऋणात्मक (-) खाने में दर्शाया जाएगा। निम्नलिखित उदाहरणों की सहायता से आप बैंक समाधान विवरण को भली प्रकार समझ सकेंगे।

उदाहरण 1 (रोकड़-बही का शेष)

निम्नलिखित विवरण से आप मैसर्स 'अ ब स' लि० का बैंक समाधान विवरण 31 दिसम्बर, 2012 को बनाइए :

बैंक समाधान प्रक्रिया के चरण

i. रोकड़-बही के अनुसार बैंक शेष ₹ 62,500 था।
ii. 31 जुलाई, 2012 को ₹ 8,900 के चैक बैंक में जमा थे लेकिन वसूल नहीं हो पाए।
iii. 31 जुलाई, 2012 को ₹ 12,500 के चैक निर्गमित हो गए, लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।
iv. बैंक ने ₹ 5000 लाभांश के जमा किए।
v. बैंक ने अपने खर्चों के लिए ₹ 400 नाम में लिखें।

मै० 'अ ब स' का बैंक समाधान विवरण
(31 जुलाई, 2012)

विवरण		धनात्मक राशि (+) (₹)	ऋणात्मक राशि (-) (₹)
i.	रोकड़-बही का शेष	62,500	--
ii.	चैक बैंक में जमा थे किन्तु भुगतान नहीं हुए	--	8,900
iii.	चैक निर्गमित किए गए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।	12,500	--
iv.	लाभांश प्राप्त किया	5,000	--
v.	बैंक खर्चे बैंक ने नाम में लिखे	--	400
	पास बुक का शेष	--	70,700
	कुल	80,000	80,000
	(धनात्मक स्तम्भ का योग ऋणात्मक स्तम्भ के योग से अधिक है।)		

उदाहरण 2 (रोकड़-बही का शेष)

निम्नलिखित विवरण से मै० दीप ट्रेडर्स का बैंक समाधान विवरण 31 जून, 2012 को बनाइए:

i. रोकड़-बही के अनुसार शेष ₹ 1,00,000 था।
ii. बैंक ने ₹ 5,250 क्रेडिट कार्ड फीस के वसूल किए जो कि रोकड़-बही में शामिल नहीं किया।
iii. ₹ 17,550 के चैक बैंक में जमा किए लेकिन अभी तक वसूल नहीं हुए।
iv. ₹ 40,000 का बिल जिसे चैक से भुनाया वह अनादृत हो गया।

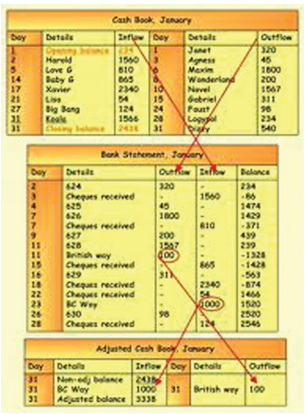

हल :

मै० दीप ट्रेडर्स का बैंक समाधान विवरण (30 जून, 2012) को

विवरण	धनात्मक राशि (+) (₹)	ऋणात्मक राशि (-) (₹)
i. रोकड़-बही के अनुसार शेष	1,00,000	
ii. चैक जमा हुए लेकिन वसूल नहीं हुए।	--	17,550
iii. बैंक ने क्रेडिट कार्ड फीस को नाम में लिखा।	--	5,250
iv. भुना गया बिल तिरस्कृत हुआ ओर केवल पास बुक में प्रविष्टि हुई।	--	40,000
पास बुक का शेष	--	37,200
कुल	1,00,000	1,00,000

उदाहरण 3 (पास-बुक के अनुसार शेष)

निम्नलिखित विवरण से आप मैसर्स 'कखग' लिमिटेड का बैंक समाधान विवरण 31 जुलाई, 2012 को बनाइए :

i. शुरूआत में पास-बुक का शेष ₹ 70,700 था।
ii. ₹ 8,900 के चैक बैंक में जमा हो गए लेकिन 31 जुलाई, 2012 तक वसूल नहीं हुए।
iii. ₹ 12,500 के चैक निर्गमित तो हो गए लेकिन 31 जुलाई, 2012 तक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।
iv. बैंक ने ₹ 5,000 का लाभांश जमा किया।
v. बैंक ने ₹ 400 अपने खर्चों के पास-बुक में लिखे।

हल :

मै० 'कखग' लिमिटेड का बैंक समाधान विवरण (31 जुलाई, 2012) को

विवरण	धनात्मक राशि (+) (₹)	ऋणात्मक राशि (-) (₹)
i. पास-बुक शेष	70,700	--
ii. चैक जमा हुए लेकिन वसूल नहीं हुए।	8,900	--
iii. चैक निर्गमित किए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किए।	--	12,500
iv. लाभांश मिला	--	5,000
v. बैंक ने अपने खर्चे डेबिट किए	400	--
रोकड़-बही का शेष	--	62,500
कुल	80,000	80,000

उदाहरण 4 (पास-बुक अनुसार शेष)

31 जुलाई, 2012 को मैसर्स टीटा इंडस्ट्रीज की बैंक पास-बुक का धनी शेष ₹ 1,27,350 था। उसी तारीख को रोकड़ बही और पास-बुक में निम्नलिखित अन्तर पाए गए :

i. 31 जुलाई, 2012 से पहले ₹ 79,000 के चैक निर्गमित हुए लेकिन भुगतान के लिए उपस्थित नहीं हुए।

ii. दो चैक ₹ 5,000 व ₹ 3,500 के 31 जुलाई को बैंक में जमा किए लेकिन बैंक ने उन्हे अगस्त में क्रेडिट किया।

iii. बैंक ने ₹ 5,000 की बीमे की किस्त सीधे भुगतान कर दी।

iv. बैंक द्वारा गलती से ₹ 2,000 डेबिट हो गए।

31 जुलाई 2012 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

हल

मै० टीटा इंडस्ट्रीज का बैंक समाधान विवरण
(31 जुलाई, 2012)

विवरण	धनात्मक राशि (+) (₹)	ऋणात्मक राशि (-) (₹)
i. पास-बुक का शेष	1,27,350	
ii. चैक निर्गमित किए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किए।	--	79,000
iii. चैक जमा किए लेकिन बैंक ने अगस्त में क्रेडिट किया।	8,500	--
iv. बीमे की किस्त बैंक ने भुगतान की	5,000	--
v. बैंक के द्वारा गलती से डेबिट हो गया	2,000	--
रोकड़-बही का शेष	--	63,850
कुल	1,42,850	1,42,850

II. जब स्थिति बैंक अधिविकर्ष (ओवर ड्राफ्ट) की हो

जब पास-बुक या रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट हो तो इसको ऋणात्मक (-) खाने में लिखा जाएगा अर्थात यह ऋणत्मक शेष होगा। तो बैंक समाधान विवरण बनाने के लिए जोड़ने-घटाने की क्रिया बिल्कुल विपरीत हो जाती है। इसलिए यह नोट कर लेना चाहिए कि जब ओवर ड्राफ्ट का शेष ऋणात्मक होगा और उसे माइनस (-) खाने में लिखा जाए। वे सारी मदें जो माइनस (-) खाने में जाएगी वो अपने आप ही उसमें जुड़ जाएगी। वे सारी मदे जो प्लस (+) खाने में लिखी गई वे अपने आप ही उसमें से घट जाएगी।

उदाहरण 5 (रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट)

निम्नलिखित विवरणों से मानव इंडस्ट्रीज वर्क्स का 31 जुलाई, 2012 का बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए :

i. रोकड़-बही के अनुसार 31 जुलाई, 2012 को क्रेडिट शेष ₹ 4,299 था।
ii. ₹ 1,151 के चैक निर्गमित हुए लेकिन 31 जुलाई, 2012 तक भुगतान नहीं किया गया।
iii. ₹ 858 के चैक बैंक में जमा किए लेकिन 31 जुलाई, 2012 से पहले वसूल नहीं हुए।
iv. बैंक ने ₹ 40 के बैंक व्यय डेबिट किए।

हल

मानव इंडस्ट्रीज का बैंक समाधान विवरण
(31 जुलाई, 2012)

विवरण	राशि (₹)	राशि (₹)
i. रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	--	4,299
ii. चैक निर्गमित हुए लेकिन भुगतान के लिए उपस्थित नहीं हुए।	1,151	--
iii. चैक जमा किए लेकिन वसूल नहीं हुए	--	858
iv. बैंक व्यय डेबिट किए	--	40
पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	4,046	--
कुल	5,197	5,197

उदाहरण 6 पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट का शेष

निम्नलिखित विवरण से अमन एण्ड सन्स का बैंक समाधान विवरण 31 दिसम्बर, 2012 को बनाना है :

i. पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट ₹ 10,000 था।
ii. ₹ 6,000 के चैक निर्गमित हुए लेकिन उपस्थित नहीं हुए।
iii. ₹ 1800 के चैक जमा हुए लेकिन वसूल नहीं हुए।
iv. ₹ 500 का लाभांश बैंक ने वसूल किया। रोकड़-बही में नहीं दर्शाया गया।
v. बैंक व्यय ₹ 200 के पास-बुक में डेबिट हुआ लेकिन रोकड़-बही में अभी तक नहीं लिखा गया।
vi. एक बैंक ड्राफ्ट अमन की ओर से बैंक ने निर्गमित किया लेकिन रोकड़-बही में अभी तक कोई लेखा नहीं हुआ।

हल

अमन एण्ड सन्स का बैंक समाधान विवरण
(31 दिसम्बर 2012)

विवरण	राशि (+)	राशि (-)
पास-बुक का ओवर ड्राफ्ट (Dr. शेष)	--	10,000
जोड़े : i. चैक बैंक भेजे लेकिन वसूल नहीं हुए।	1,800	--
ii. बैंक खर्च पास-बुक में डेबिट किया।	200	--
iii. बैंक ने ड्राफ्ट निर्गमित किया लेकिन रोकड़-बही में लेखा नहीं हुआ।	1,000	--
घटाएं : i. चैक निर्गमित किए लेकिन भुगतान नहीं हुआ	--	6,000
ii. बैंक ने लाभांश को क्रेडिट किया	--	500
रोकड़ बही का धनी शेष	13,500	--
कुल	16,500	16,500

उदाहरण 7 (पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट)

निम्न से बैंक समाधान विवरण बनाइए :

i. 31 दिसम्बर, 2012 को पास-बुक के अनुसार अधिविकर्ष ₹ 5,200 था।

ii. ₹ 1,200 के चैक निर्गमित हुए लेकिन उपस्थित नहीं हुए।

iii. बैंक ने ₹ 500 का ब्याज वसूल किया।

iv. ओवर ड्राफ्ट पर ₹ 430 का ब्याज लगाया।

v. रोकड़-बही के बैंक खाने का प्राप्ति पक्ष ₹ 100 से अधिक था।

vi. रोकड़-बही के बैंक खाने का भुगतान पक्ष ₹ 40 से कम था।

vii. ग्राहक के आदेशानुसार बैंक ने ₹ 2,000 का एक ड्राफ्ट निर्गमित किया।

viii. ₹ 600 का एक चैक बैंक ने क्रेडिट किया लेकिन हम रोकड़-बही में लिखना भूल गए।

हल :

बैंक समाधान विवरण
(31 दिसम्बर 2012)

विवरण	राशि (+)	राशि (-)
पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	--	5,200
जोड़े : i. बैंक ने ओवर ड्राफ्ट पर ब्याज लिया	430	--
ii. रोकड़-बही की प्राप्ति पक्ष अधिक हो गई।	100	--
iii. रोकड़-बही की बैंक खाने का भुगतान पक्ष कम था।	40	--
iv. बैंक ने ड्राफ्ट निर्गमित किया।	2,000	--
घटाएं : i. चैक निर्गमित किया लेकिन उपस्थित नहीं हुआ।	--	1,200
ii. बैंक ने ब्याज वसूल किया।	--	500
iii. चैक बैंक ने क्रेडिट किया लेकिन हम रोकड़-बही में लिखना भूल गए।	--	600
रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	4,930	
कुल	7,500	7,500

उदाहरण 8

निम्नलिखित विवरण से बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए :

i. 31 मार्च, 2012 को रोकड़ बही का ऋण बैंक शेष (बैंक ओवर ड्राफ्ट) ₹ 2,000 था।

ii. ₹ 20,000 के कुल चैकों को काटा गया उनमें से ₹ 13,000 का चैक मार्च में, ₹ 4,000 के चैक अप्रैल में भुगतान कर दिए गये बाकी अभी भी प्रस्तुत नहीं किए गए।

iii. बैंक में ₹ 15,000 के चैक जमा किए गए उनमें से ₹ 11,500 के चैक मार्च में तथा ₹ 2,000 के चैक अप्रैल में वसूल हो गए। लेकिन शेष चैक अभी तक वसूल नहीं किए गए।

iv. बैंक ने ₹ 1,500 ओवर ड्राफ्ट पर ब्याज के व ₹ 100 बैंक खर्च के डेबिट किए।

v. ₹ 1,700 प्रतिभूतियों (Security) पर ब्याज के क्रेडिट किए। एक बिल प्राप्त ₹ 1,000 का (जनवरी में भुनाया था) 31 मार्च को तिरस्कृत हो गया। लेकिन रोकड़-बही में अभी तक नहीं लिखा गया।

हल

बैंक समाधान विवरण

(31 मार्च, 2012)

विवरण	(+) राशि (₹)	(-) राशि (₹)
रोकड़-बही का ओवर ड्राफ्ट (Cr.)	--	**2,000**
i. चैक काटे लेकिन 31 मार्च तक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।	7,000	--
ii. बैंक ने प्रतिभूतियों पर ब्याज वसूल किया	1,700	--
iii. चैक जमा हुए लेकिन 31 मार्च तक वसूल नहीं हुए		--
		3,500
iv. ओवर ड्राफ्ट पर ब्याज व बैंक खर्च।	--	1,600
v. भुनाया हुआ प्राप्य बिल तिरस्कृत हो गया।	--	1,000
पास-बुक का ओवर ड्राफ्ट (Cr.)	--	**600**
कुल	**8,700**	**8,700**

उदाहरण 9 ( )

30 नवम्बर 2012 को राम की रोकड़-बही की उसके खाते के बैंक विवरण से तुलना निम्न विवरण के द्वारा कीजिए :

i. रोकड़-बही ओवर ड्राफ्ट के ₹ 45,000 दिखा रही है।

ii. एक चैक ₹ 17,500 का बचत खाते से निकाला लेकिन उसे चालू खाते से निकाला हुआ दर्शाया गया।

iii. ₹ 70,000 के चैक काटे, रोकड़-बही में दिखाया गया लेकिन अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गए।

iv. ₹ 60,000 के चैक बैंक में वसूली के लिए भेजे गए, रोकड़-बही में लेखा हो गया, लेकिन बैंक में क्रेडिट नहीं हुए।

v. ₹ 1750 के बैंक व्यय रोकड़-बही में नहीं लिखे गए।

vi. रोकड़ बही का भुगतान पक्ष ₹ 1,500 से कम था।

vii. बैंक ने ग्राहक की ओर से ₹ 35,000 का लाभांश वसूल किया।

हल

बैंक समाधान विवरण

(30 नवम्बर, 2012)

विवरण	(+) राशि (₹)	(-) राशि (₹)
रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट (Cr.)	--	**45,000**
i. रोकड़-बही की भुगतान पक्ष कम हो	--	1,500
ii. चैक काटा बचत खाते से गलती से उसे चालू खाते से निकाला दर्शाया गया।	17,500	--
iii. चैक निर्गमित हुए लेकिन भुगतान के लिए उपस्थित नहीं हुए	70,000	--
iv. चैक वसूली के लिए बैंक भेजे लेकिन अभी तक वसूल नहीं हुए	--	60,000
v. बैंक व्यय	--	1,750
vi. सीधे लाभांश का बैंक में भुगतान कर दिया।	35,000	--
पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट (Cr.)	--	**14,250**
कुल	**1,22,500**	**1,22,500**

उदाहरण 10 (पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट)

31 मार्च, 2012 को श्री जगदीश कुमार की पास-बुक में ₹ 15,000 का ओवर ड्राफ्ट है। रोकड़-बही से तुलना करने पर पाया गया :

i. बैंक ने ओवर ड्राफ्ट पर ₹ 600 का ब्याज लिया।

ii. ₹ 80,000 के चैक निर्गमित किए गए उनमें से ₹ 8,000 रूपये का ही भुगतान हो पाया।

iii. 4,500 के चैक बैंक में जमा थे लेकिन ₹ 500 ही वसूल हो पाए।

iv. बैंक ने विनियोगों पर ब्याज के ₹ 600 वसूल किए और एक देनदार ने ₹ 900 सीधे उसके खाते में जमा कर दिए।

v. जगदीश कुमार को ₹ 1,200 का एक चैक मिला, उसने रोकड़-बही में तो लिख लिया लेकिन बैंक भेजना भूल गया।

हल :

बैंक समाधान विवरण

(31 मार्च, 2012)

विवरण	(+) राशि (₹)	(-) राशि (₹)
पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	--	15,000
i. ओवर ड्राफ्ट पर ब्याज	600	--
ii. चैक निर्गमित किए लेकिन भुगतान के लिए उपस्थित नहीं हेयु (₹ 80,000 - ₹ 8,000)	--	72,000
iii. चैक जमा हुए लेकिन वसूल नहीं हुए। (₹ 4,500 - ₹ 500)	4,000	--
iv. बैंक ने ब्याज वसूल किया।	--	600
v. बैंक में सीधे भुगतान किया।	--	900
vi. चैक को रोकड़-बही में लिखा लेकिन बैंक नहीं भेजा।	1,200	--
रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	82,700	
कुल	88,500	88,500

उदाहरण 11 (पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट)

31 मार्च, 2012 को रजत की पास-बुक ओवर ड्राफ्ट के ₹ 5000 दर्शाती है। निम्नलिखित विवरणों से रोकड़-बही की तुलना करने पर निम्न पाया गया :

i. 31 मार्च, 2012 से पहले ₹ 1,900 के चैक निर्गमित किए गए और भुगतान के लिए 4 अप्रैल, 2012 को उपस्थित किए गए।

ii. ₹ 8,200 के चैक बैंक में जमा थे लेकिन 2 अप्रैल, 2012 को वसूल किए।

iii. ओवर ड्राफ्ट ब्याज के ₹ 1,500 थे लेकिन रोकड़-बही में नहीं दर्शाये गए।

iv. बैंक द्वारा ₹ 6,000 का लाभांश वसूल किया लेकिन रोकड़-बही में नहीं लिखा गया।

v. ₹ 80, लाकर का किराया, रोकड़ बही में नहीं लिखे गए।

vi. ₹ 7,800 के चैक तिरस्कृत हो गए लेकिन रोकड़-बही में नहीं लिखे गए।

हल :

बैंक समाधान विवरण

(31 मार्च, 2012)

विवरण	(+) राशि (₹)	(-) राशि (₹)
पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	--	**5,000**
i. चैक निर्गमित हुए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।	--	1,900
ii. चैक जमा हुए लेकिन वसूल नहीं हुए।	8,200	--
iii. ओवर ड्राफ्ट पर ब्याज	1,500	--
iv. बैंक ने लाभांश वसूल किया।	--	6,000
v. बैंक ने लोकर किराया वसूल किया।	80	--
vi. चैक तिरस्कृत हुए।	7,800	--
रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	--	**4,680**
कुल	**17,580**	**17,580**

उदाहरण 12 (रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट)

30 सितम्बर, 2012 को एक व्यापारी की रोकड़-बही का ओवर ड्राफ्ट ₹ 7,700 था। जब इसकी तुलना पास-बुक से की गई तो यह पाया गया :

i. ₹ 3,500 के चैक वसूली के लिए बैंक भेजे उनमें से केवल ₹ 1,000 ही पास-बुक में क्रेडिट हुए।

ii. ₹ 6,500 के चैक सितम्बर में निर्गमित किए गए लेकिन केवल ₹ 2,650 के ही भुगतान के लिए प्रस्तुत किए गए।

iii. ₹ 2,000 का एक चैक रोकड़-बही में लिखा गया लेकिन उसे बैंक में नहीं भेजा गया।

iv. पास-बुक में ₹ 65 बैंक व्यय तथा ₹ 35 ब्याज के डेबिट किए गए।

v. किसी देनदार ने सीधे ₹ 2400 बैंक में जमा करा दिए। इसको रोकड़ बही में नहीं लिखा गया।

vi. व्यापारी के निर्देशानुसार बैंक ने ₹ 1,500 की बीमा किस्त का भुगतान कर दिया।

हल :

बैंक समाधान विवरण
(30 सितम्बर, 2012)

विवरण	(+) राशि (₹)	(-) राशि (₹)
रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	--	7,700
i. चैक जमा किए लेकिन वसूल नहीं हुए (₹ 3,500 - ₹ 1,000)	--	2,500
ii. चैक निर्गमित हुए लेकिन उपस्थित नहीं हुए (₹ 6,500 - ₹ 2,650)	3,850	--
iii. चैक रोकड़-बही में लिखे लेकिन बैंक नहीं भेजे	--	2,000
iv. बैंक व्यय	--	65
v. बैंक ने ब्याज वसूल किया।	--	35
vi. ग्राहक ने सीधे पैसा जमा किया।	2,400	--
vii. बैंक ने बीमे की किस्त जमा की।		1,500
पास-बुक के अनुसार ओवर ड्राफ्ट	7,550	--
कुल	13,800	13,800

पाठगत प्रश्न 8.2

I. यदि तुम्हें पास-बुक का शेष और रोकड़-बही का शेष दिया है। तुम्हें दोनों की ठीक-ठीक जांच करनी है। समस्त लेनदेनों में से, उस राशि के सामने 'A' लिखो जो पास-बुक के शेष में जुड़ेंगे और 'R' उनके सामने लिखो जो पास-बुक के शेष से घटाएगें।

i. बैंक व्यय
ii. चैक निर्गमित हुए लेकिन उनका भुगतान नहीं हुआ।
iii. चैक बैंक में जमा थे और निरस्कृत हो गए।

II. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

i. निम्न में से कौन सा एक सही विवरण है। जो ''बैंक समाधान विवरण'' से सम्बन्धित है।

क) यह हर महीने तैयार किया जाता है।
ख) यह हर छठे महीने तैयार होता है।
ग) साल के अन्त में तैयार होता है।
घ) यह सामयिक तैयार होता है।

ii. यदि रोकड़-बही का शेष ₹ 8,000 है। ₹ 5,000 रूपये का चैक और ₹ 18,000 का चैक निर्गमित किए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए। पास-बुक का समाधान के बाद क्या शेष होगा।

क) ₹ 8,000 ख) ₹ 13,000 ग) ₹ 23,000 घ) ₹ 31,000

iii. बैंक समाधान विवरण तैयार करते समय पास-बुक के शेष में से निम्न में से कौन सी मद को घटाएंगे।

क) चैक जमा हुए लेकिन वसूल नहीं हुआ।

ख) चैक निर्गमित किया लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।

ग) बैंक खर्च

घ) बैंक द्वारा बीमे की किस्त भुगतान की।

iv. निम्न में से कौन सा विवरण, बैंक समाधान विवरण से सम्बन्धित है और सही है :

क) एक व्यापारी के लिए लाभ का पता लगाने के लिए तैयार किया जाता है।

ख) महीने के अंत में रोकड़-बही का शेष निकालने के लिए तैयार किया जाता है।

ग) पास-बुक और रोकड़-बही के शेषों का मिलान करने के लिए तैयार किया जाता है।

घ) व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का पता लगाने के लिए तैयार किया जाता है।

v. पास-बुक ₹ 4,500 डेबिट (Dr.) शेष दर्शाता है और एक ग्राहक सीधे उसके खाते में ₹ 2,000 जमा कर देता है। जो कि रोकड़-बही में नहीं लिखा गया। रोकड़-बही का शेष क्या होगा ?

क) ₹ 6500 ख) ₹ 2,500

ग) ₹ 6,500 (ओवरड्राफ्ट) घ) ₹ 2,500 (ओवरड्राफ्ट)

आपने क्या सीखा

- पास-बुक के शेष और रोकड़-बही के बैंक शेष के अंतर का मिलान करने के लिए एक निश्चित तिथि को, कारणों के साथ, सामयिक एक विवरण तैयार किया जाता है। उसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं।
- एक निश्चित तिथि को रोकड़-बही के बैंक खाने के शेष और पास-बुक के शेष के अन्तर का मिलान करने के लिए व्यवसायी द्वारा जो विवरण पत्र बनाया जाता है उसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। इस विवरण को तैयार करने का उद्देश्य दोनों के शेषों के अन्तर के कारणों को जानना ओर उनका मिलान करना है।

- रोकड़-बही और पास-बुक के बीच अंतर के कारण
  - → व्यवसायी के द्वारा चैक निर्गमित हुए लेकिन अभी तक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।
  - → चैक बैंक में जमा हो गए लेकिन अभी तक बैंक द्वारा वसूल नहीं हुए।
  - → ग्राहक द्वारा सीधे बैंक में जमा करायी गई रकम।
  - → बैंक द्वारा वसूल किए गए बैंक व्यय।
  - → बैंक द्वारा प्राप्त ब्याज व लाभांश।
  - → बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से किए गए भुगतान।
  - → भुनाए गए बिल या चैक को अनादरण होना।
  - → फर्म द्वारा शेष निकालने में गलती।
  - → बैंक द्वारा गलती का होना।

पाठांत प्रश्न

1. बैंक समाधान विवरण से आप क्या समझते हो।
2. बैंक समाधान विवरण को तैयार करने की आवश्यकता क्यों है?
3. रोकड़-बही और पास-बुक के शेषों के बीच अंतर के कारणों को बताइए।
4. नीचे दिए गए विवरणों से 31 दिसम्बर, 2012 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए :
   i. रोकड़-बही शेष ₹ 4,200 था।
   ii. ₹ 2,000 के चैक निर्गमित किए गए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।
   iii. ₹ 3,000 के चैक जमा हुए लेकिन वसूल नहीं हुए।
   iv. बैंक ने ₹ 250 बैंक व्यय के डेबिट किए।
5. 31 मार्च, 2012 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए। मैसर्स बिरला इंडस्ट्रीज की पास-बुक में उस दिन ₹ 27,500 शेष थे।
   i. ग्राहक द्वारा ₹ 14,000 का चैक सीधे जमा कर देना।
   ii. ₹ 13,500 के चैक मार्च महीने में निर्गमित किए लेकिन उनमें से ₹ 1,500 के चैक मार्च के अंत तक प्रस्तुत नहीं हुए।
   iii. ₹ 2,500 का लाभांश बैंक ने वसूल किया।
   iv. ₹ 17,500 के चैक बैंक को वसूल करने थे उनमें से ₹ 8,500 के चैक अप्रैल महीने के पाए गए।
6. निम्नलिखित विवरणों से अदानी इन्डस्ट्रीयल वर्क्स का 31 जनवरी, 2012 पास-बुक का शेष ज्ञात कीजिए।
   i. रोकड़-बही के अनुसार 31 जनवरी, 2012 को ₹ 4,000 शेष था।

ii. ₹ 1,000 का चैक निर्गमित हुआ लेकिन 31 जनवरी, 2012 से पहले भुगतान नहीं हुआ।

iii. ₹ 800 के चैक बैंक में वसूली के लिए गए लेकिन 31 जनवरी, 2012 से पहले वसूल नहीं हुए।

iv. ₹ 400 के बैंक व्यय पास-बुक में डेबिट हो गए।

7. 31 मार्च, 2012 को निम्नलिखित विवरण से बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

i. रोकड़-बही के अनुसार ओवर ड्राफ्ट ₹ 12,500 था।

ii. ₹ 18,000 के चैक निर्गमित किए गए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।

iii. ₹ 24,000 के चैक बैंक में जमा हुए परन्तु 31 मार्च, 2012 तक वसूल नहीं हो पाए।

iv. बैंक व्यय ₹ 1,500 थे।

8. 30 जून, 2012 को रोकड़-बही के बैंक खाने का डेबिट शेष ₹ 1,49,000 था। रोकड़-बही और पास-बुक की तुलना करते हुए यह पाया गया।

i. श्याम का ₹ 9,000 का चैक, और मोहिनी का ₹ 15,000 का चैक जमा हुआ लेकिन 30 जून, 2012 तक वसूल नहीं हो पाए।

ii. राम एक देनदार है। उसने ₹ 8,000 का चैक सीधे बैंक में जमा कर दिया।

iii. बैंक ने ₹ 1,500 का ब्याज लगाया।

iv. ₹ 10,000 के चैक राधे को निर्गमित किए लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किए।

v. बैंक ने ₹ 8,000 का बीमा किस्त का भुगतान किया।

vi. बैंक व्यय के ₹ 700 बैंक ने डेबिट किए।

9. अरूण की बैंक पास-बुक में 31 मार्च, 2012 को शेष ज्ञात करने हेतु निम्नलिखित विवरण से बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

i. 31 मार्च, 2012 को रोकड़-बही के अनुसार बैंक ओवर ड्राफ्ट ₹ 60,200 था।

ii. पास-बुक में 31 मार्च, 2012 के अंत में ओवर ड्राफ्ट पर 6 महीने का ब्याज ₹ 10,000 वसूल किया गया।

iii. ₹ 1,300 के बैंक व्यय पास-बुक में डेबिट किए गए।

iv. ₹ 10,620 के चैक निर्गमित किए लेकिन 31, मार्च 2012 से पहले भुगतान नहीं हो पाए।

v. ₹ 16,500 के चैक बैंक में जमा किए लेकिन 31 मार्च, 2012 से पहले वसूल नहीं हो पाए।

vi. बैंक ने विनियोग पर ब्याज ₹ 11,000 वसूल किए तथा इन्हें पास-बुक में क्रेडिट किया।

10. निम्नलिखित विवरण से 31 मार्च, 2012 का बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।
   i. 31 मार्च, 2012 को पास-बुक का शेष ₹ 10,266 था।
   ii. ₹ 120, ₹ 10,211, ₹ 981 और ₹ 1,128 के चैक 31 मार्च, 2012 को काटे गए लेकिन 2 अप्रैल, 2012 से पहले भुगतान नहीं हुआ।
   iii. ₹ 1,510 का बैंक ओवर ड्राफ्ट पर ब्याज रोकड़-बही में नहीं लिखा गया।
   iv. ₹ 21,000 के बाहर के चैक बैंक में 30 मार्च, 2012 को जमा किए, लेकिन वे अप्रैल 2012 को क्रेडिट हुए।
   v. 31 मार्च, 2012 को व्यवसायी के आदेशानुसार ₹ 100 चैम्बर ऑफ कामर्स दान के बैंक ने भुगतान कर दिए लेकिन रोकड़-बही में कोई लेखा नहीं हुआ।
   vi. ₹ 2,500 की एक हुण्डी 31 मार्च का देय थी, 29 मार्च को वसूली के लिए भेजी गई रोकड़-बही में लेखा कर लिया लेकिन पास-बुक में 2 अप्रैल, 2012 को क्रेडिट किया।

11. निम्न विवरण से बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।
31 दिसम्बर, 2012 को ₹ 750 का ओवर ड्राफ्ट मेरी पास-बुक में दर्शाया गया है: मैंने ₹ 250 का चैक निर्गमित किया जिसमें से ₹ 200 ही केवल भुगतान के लिए प्रस्तुत किए गए। ₹ 100 के चैक बैंक में वसूली के लिए 30 दिसम्बर को भेजे उनमें से ₹ 75 ही पास-बुक में जमा हो पाए। ₹ 10 का एक चैक जो कि मैंने अपनी रोकड़ बही के बैंक खाते में नाम कर दिया लेकिन बैंक भेजना भूल गया। ₹ 25 ब्याज के पास-बुक में नाम किए गए। ग्राहक ने सीधे ₹ 30 का भुगतान बैंक में कर दिया। बैंक ने ₹ 60 विनियोगों पर ब्याज के मेरे खाते में जमा कर दिए।

12. रीता एण्ड सन्स की पास बुक में ₹ 8,500 का शेष 31 मई, 2012 को दर्शाया गया। ₹ 2,750 के चैक बैंक में 27 मई को जमा किए लेकिन ₹ 510 2 जून को जमा हुए और ₹ 150 का एक चैक, जो 5 जून को अनादृत हो गया था वापस आ गया। ₹ 6,000 के चैक काटे लेकिन भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए। ₹ 1,500 का देय बिल बैंक ने भुगतान किया लेकिन रोकड़-बही में नहीं लिखा गया। रोकड़-बही के बैंक खाने का जमा पक्ष ₹ 100 कम था? प्रीति ब्रदर्स जो कि फर्म का एजेन्ट है। उसने ₹ 4,000 माफ करने के लिए कहा लेकिन केवल ₹ 2,500 ही माफ हो पाए इसका लेखा रोकड़-बही में नहीं हुआ। रोकड़-बही के अनुसार शेष का पता लगाओ और 31 मई, 2012 को रोकड़ बही का सही शेष ज्ञात करो।

13. 30 जून, 2012 को एक व्यापारी ने अपनी रोकड़-बही का शेष ₹ 5,820 पर बंद किया। जब उसने रोकड़-बही के साथ बैंक विवरण की जाँच की तो उसने पाया कि :
   i. ₹ 2,200 का चैक बैंक में जमा किया लेकिन अभी तक वसूल नहीं हो पाया।
   ii. ₹ 1,600 का चैक निर्गमित किया लेकिन बैंक में भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किया।

iii. बैंक ने ₹ 380 लाभांश के वसूल किए लेकिन रोकड़-बही में लेखा नहीं हुआ।

iv. ₹ 40 बैंक व्यय को रोकड़-बही में नहीं लिखा गया।

v. एक ₹ 2,500 का प्राप्य बिल जिसे बैंक से भुनाया गया था। उसे ₹ 100 छूट के बिना ही रोकड़-बही में दर्शाया गया? इन सबसे बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए।

14. निम्नलिखित विवरण से 31 मार्च, 2012 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए और सही शेष जानने के लिए रोकड़-बही में आवश्यक समायोजनाएं कीजिए।

i. पास-बुक के अनुसार बैंक शेष (ओवर ड्राफ्ट) ₹ 3,000 थे।

ii. एक ₹ 2,000 का चैक 28 मार्च, 2012 को पास-बुक में क्रेडिट हो गया, इसके बाद अनादृत हो गया और 1 अप्रैल, 2012 को पास-बुक में डेबिट हो गया। अनादृत चैक का रोकड़-बही में इन तारीखों के दौरान कोई लेखा नहीं है।

iii. बैंक ने ₹ 1,000 ब्याज के वसूल किये और उनको पास-बुक में क्रेडिट कर दिया लेकिन 31 मार्च, 2012 तक रोकड़-बही में कोई लेखा नहीं है।

iv. ₹ 25,000 का चैक बैंक में 31 मार्च, 2012 को पहुंच गया लेकिन पास-बुक में 7 अप्रैल, 2012 को क्रेडिट हुआ।

v. 20 मार्च, 2012 को ₹ 8,000, का एक चैक तथा ₹ 2,000 का एक चैक काटा। लेकिन भुगतान के लिए 7 अप्रैल, 2012 को प्रस्तुत हुए।

vi. बैंक ने गलती से पास-बुक में ₹ 500 क्रेडिट तथा ₹ 200 डेबिट कर दिए तथा रोकड़ बही में 31 मार्च, 2012 तक जिसका लेखा नहीं हुआ।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

8.1 **I.** (i) ख (ii) ग (iii) क

II. (i) पास-बुक (ii) नाम (iii) मिलान करने

III. (i) असत्य (ii) सत्य (iii) असत्य (iv) सत्य

8.2 **I.** (i) A (ii) R (iii) A

II. (i) घ (ii) घ (iii) ख (iv) ग (v) ग

पाठांत प्रश्नों के उत्तर

4. पास बुक के अनुसार शेष ₹ 2,950
5. रोकड़ बही के अनुसार शेष ₹ 18,000
6. पास बुक के अनुसार शेष शेष ₹ 3,800

7. पास बुक के अनुसार अधिविकर्ष ₹ 2,000
8. पास बुक के अनुसार शेष ₹ 1,44,800
9. पास बुक के अनुसार अधिविकर्ष ₹ 66,380
10. रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष ₹ 22,936
11. रोकड़ बही के अनुसार अधिविकर्ष ₹ 830
12. रोकड़ बही के अनुसार शेष ₹ 2,260
13. पास बुक के अनुसार शेष ₹ 5,460
14. रोकड़ बही के अनुसार शेष ₹ 18,700

आपके लिए क्रियाकलाप

- अपने आस-पास की व्यवसायिक संस्थाओं को देखो। उनकी पास-बुक के साथ रोकड़-बही के (बैंक खाने) की तुलना करों। उन लेखों को ढूंढो जो रोकड़-बही में तो हो गए लेकिन पास-बुक में नहीं हुए और पास-बुक में हो गए लेकिन रोकड़-बही में नहीं हुए। उन सभी प्रविष्टियों की उनकी राशि सहित एक सूची बनाइए।